HD-06

June - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी

Paper - HD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों में से उत्तर लिखिए।

(i) पश्चिमी हिन्दी की दो बोलियों का वर्णन कीजिए।

(ii) भोजपुरी और मंगही' बोली का सम्बन्ध किस राज्य से है?

(iii) लिप्यंतरण किसे कहते हैं?

(iv) कोडमिक्सिंग से क्या तात्पर्य है?

(v) संविधान के किस अनुच्छेद में संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी का उल्लेख है?

(vi) कार्यालयी हिन्दी से क्या तात्पर्य है?

(vii) संक्षेपण का महत्व संक्षिप्त में लिखिए।

खण्ड – ब **$4 \times 7 = 28$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) प्रयोजन मूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

3) भाषा के प्रमुख अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

4) हिन्दी की प्रयोजनमूलक शैलियाँ कौन–कौन सी हैं? समझाइए।

5) वर्तमान समय में अनुवाद की आवश्यकता व महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

6) पल्लवन करते समय ध्यान देने योग्य बातों पर प्रकाश डालिए।

7) वर्तमान भारत में हिन्दी की दृष्टि से जनसंचार के प्रभावी माध्यमों का उल्लेख कीजिए।

8) प्रयोजनमूलक हिन्दी के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

9) प्रतिवेदन किसे कहते हैं? इसके स्वरूप का भी उल्लेख कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।

11) 'राजभाषा हिन्दी' का स्वरूप एवं कार्यान्वयन विषय पर एक लेख लिखिए।

12) बिहारी हिन्दी की प्रमुख बोलियों का वर्णन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) जनसंचार माध्यम में हिन्दी

(ii) मसौदा लेखन

(iii) पूर्वी हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ

(iv) हिन्दी का विकास

———